वैश्विक अनिश्चितताओं में कपड़ा निर्यात बढ़ा

जुलाई 2025 में कपड़ा निर्यात 5 .3त्न बढ़कर 3 .1 अरब डॉलर पहुँचा

रेडीमेड गारमेंट्स, कालीन और हस्तशिल्प ने वृद्धि में अहम योगदान

भारत का टेक्सटाइल सेक्टर जुलाई में मजबूत प्रदर्शन

> बयान में कहा गया है कि उद्योग का प्रदर्शन भारत की विविध उत्पाद क्षमता को दर्शाता है, जो कपास और एमएमएफ-आधारित वस्त्रों से लेकर पारंपरिक हस्तशिल्प और पर्यावरण-अनुकूल जूट तक फैली हुई है. बयान में आगे कहा गया है कि आरओएससीटीएल, आरओडीटीईपी, वस्त्रों के लिए पीएलआई, पीएम मित्र पार्क और नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन, राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम जैसी योजनाओं के तहत पहल इस क्षेत्र को आधुनिक बनाने, इनोवेशन करने और विविधीकरण करने में सक्षम बना रही हैं.

नई दिल्ली, 21 अगस्त. वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के कपड़ा और परिधान क्षेत्र ने जुलाई में सकारात्मक वृद्धि की राह पर अग्रसर होकर मजबूती का प्रदर्शन किया है, जिससे रोजगार, निर्यात और आर्थिक विकास के प्रमुख चालक के रूप में इस क्षेत्र की भूमिका की पुष्टि होती है.

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स (डीजीसीआईएस) के अनुमानों के अनुसार, जुलाई में प्रमुख कपड़ा वस्तुओं का निर्यात 3.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष इसी महीने के 2.94 अरब डॉलर की तुलना में सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.

अप्रैल-जुलाई 2025 की अवधि के लिए, संचयी कपड़ा निर्यात 12.18 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 11.73 अरब डॉलर के आंकड़े से 3.87 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. सेगमेंट-वाइज आंकड़े दर्शाते हैं कि इस वर्ष जुलाई में रेडीमेड कपड़ों का निर्यात 1.34 अरब डॉलर रहा, जो जुलाई 2024 के 1.28 अरब डॉलर से 4.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. इस वर्ष अप्रैल-जुलाई के लिए संचयी निर्यात 7.87 प्रतिशत बढ़कर 5.53 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 5.13 अरब डॉलर था.

सूती वस्त्र (सूती धागे, कपड़े, मेड-अप और हथकरघा) का निर्यात जुलाई 2024 के 970.5 मिलियन डॉलर से 5.2 प्रतिशत बढ़कर 1.02 अरब डॉलर हो गया. अप्रैल-जुलाई 2025 के लिए संचयी निर्यात 3.88 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष के 3.89 अरब डॉलर से लगभग अपरिवर्तित रहा.

कार्पेट निर्यात 8 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 133 मिलियन डॉलर हो गया, जबकि हस्तशिल्प निर्यात में 10 प्रतिशत से अधिक की मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई और जुलाई में यह 153.4 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया.

पीएफओ के पेरोल डेटा में उछाल

जून में 21 .89 लाख नए सदस्य जुड़े, रोजगार के अवसरों में वृद्धि का संकेत

नई दिल्ली, 21 अगस्त. कर्मचारी भविष्य निधि संगठनने बुधवार को जून महीने के लिए अपने अनंतिम पेरोल डेटा जारी किए, जिसमें शुद्ध रूप से 21.89 लाख नए सदस्य जुड़े हैं. यह मई की तुलना में शुद्ध पेरोल परिवर्धन में 9.14त्न की वृद्धि दर्शाता है, जो देश भर में रोजगार के अवसरों में सकारात्मक रुझान और कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता को उजागर करता है.

नए सदस्यों में युवाओं की बड़ी भागीदारी, महिला सदस्यों में भी उल्लेखनीय वृद्धि

श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, ईपीएफओ ने जून में लगभग 10.62 लाख नए सदस्यों का नामांकन किया. विज्ञप्ति में कहा गया है कि नए सदस्यों की यह वृद्धि बढ़ते रोजगार बाजार, ईपीएफओ के लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और नए कर्मचारियों को जोड़ने के लिए संगठन की केंद्रित पहलों के कारण है. नए सदस्यों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा 18-25 आयु वर्ग से आया है, जो जून में कुल नए सदस्यों का 60.22त्न है. यह 6.39 लाख व्यक्तियों के बराबर है, जिनमें से अधिकांश पहली बार नौकरी करने वाले हैं, जो औपचारिक कार्यबल में युवा लोगों के प्रवेश की प्रवृत्ति को जारी रखे हुए हैं. जून के लिए 18-25 आयु वर्ग में शुद्ध पेरोल परिवर्धन 9.72 लाख रहा, जो मासिक आधार पर 11.41त्न और पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 12.15त्न की वृद्धि दर्शाता है. डेटा से यह भी पता चलता है कि लगभग 16.93 लाख सदस्य, जो पहले ईपीएफओ से बाहर निकल गए थे, जून में फिर से जुड़ गए हैं, जो साल-दर-साल 19.65त्न की वृद्धि दर्शाता है. इनमें से कई सदस्यों ने अंतिम निपटान का विकल्प चुनने के बजाय अपनी पिछली ईपीएफओ जमा को स्थानांतरित कर नौकरी बदली है, जिससे उनकी दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हुई है.

143 दवाएं फेल, 8 निकली नकली

जुलाई जांच में बड़ा खुलासा सामने आया

बिहार से सात नकली दवाएं मिलीं

नई दिल्ली, 21 अगस्त. केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की नियमित निगरानी गतिविधि के तहत जुलाई 2025 में खराब गुणवत्ता वाली और नकली दवाओं की सूची जारी की गई है.

केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने इस दौरान 46 दवाओं के नमूनों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया, जबकि राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 97 दवा नमूनों को मानक के अनुरूप न पाकर एनएसक्यू घोषित किया. इस प्रकार कुल 143 दवा नमूने जुलाई माह में असफल पाए गए.दवाओं को एनएसक्यू तब घोषित किया जाता है, जब वे किसी न किसी निर्धारित गुणवत्ता पैरामीटर पर खरी नहीं उतरतीं. यह असफलता केवल संबंधित बैच तक सीमित होती है और इसका असर बाजार में उपलब्ध अन्य बैचों पर नहीं होता. इसके अलावा, जुलाई 2025 में बिहार से सात दवा नमूने और सीडीएससीओ नॉर्थ जोन, गाज़ियाबाद से एक दवा नमूना नकली (स्प्यूरियस) पाया गया. जांच में सामने आया कि ये दवाएं अनधिकृत निर्माताओं द्वारा किसी अन्य कंपनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग कर तैयार की गई थीं.

रेलवे और ट्रेवल एजेंट के बीच साझेदारी

प्रगति के लिए साझेदारी थीम पर हुई अहम चर्चा

अहमदाबाद, 21 अगस्त. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने मंगलवार को ग्लोबल ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन के साथ अमदाबाद में एक महत्वपूर्ण संवादात्मक और सहभागिता सत्र का आयोजन किया. यह कार्यक्रम प्रगति के लिए साझेदारी- भारतीय रेलवे के साथ व्यावसायिक अवसर थीम पर आधारित था.

भारतीय रेलवे और पर्यटन क्षेत्र के लिए नए अवसरों की तलाश- इस सत्र का मुख्य उद्देश्य भारतीय रेलवे और ट्रैवल ट्रेड फ्रैटर्निटी के बीच एक सहयोगी मंच स्थापित करना था, जहाँ नए व्यावसायिक अवसरों, यात्री सेवाओं, पर्यटन संवर्धन और साझेदारी के विभिन्न आयामों पर गहन चर्चा की गई. यह पहल GTAA के उस मिशन को भी दर्शाती है, जिसके तहत वह ट्रैवल इंडस्ट्री और सरकारी संस्थाओं के बीच संबंधों को मजबूत कर आपसी विकास और व्यावसायिक क्षितिज का विस्तार करना चाहता है.

भविष्योन्मुखी योजनाओं पर प्रकाश- मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद वेद प्रकाश ने इस अवसर पर भारतीय रेलवे के दूरदर्शी दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया. उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे केवल देश की प्रगति का आधार स्तंभ ही नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रीय आर्थिक विकास, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यटन संवर्धन की अहम कड़ी भी है.

उन्होंने भारतीय रेलवे की दूरदर्शी नीतियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी, जिनमें अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1377 स्टेशनों का पुनर्विकास, बुलेट ट्रेन, वंदे भारत और नमो भारत जैसी आधुनिक सेवाएँ शामिल हैं.

सुझावों को भविष्य की योजनाओं में शामिल करने पर जोर

मंडल प्रवक्ता ने बताया कि इस संवादात्मक सत्र में प्राप्त सभी सुझावों को भारतीय रेलवे की भविष्य की योजनाओं में शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. इससे न केवल रेल सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता में वृद्धि होगी, बल्कि यात्रियों के अनुभव को और अधिक समृद्ध और संतोषजनक बनाया जा सकेगा. यह सत्र विचारों और सुझावों के आदान-प्रदान का एक प्रभावी मंच सिद्ध हुआ और भारतीय रेल तथा यात्रा व्यापार समुदाय के बीच मजबूत साझेदारी एवं दीर्घकालिक सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ.

जीएसटी सुधारों से मिलेगी राहत

सीतारमण बोलीं- आम आदमी, किसान, एमएसएमई होंगे लाभान्वित

केंद्र दो स्लैब में दरें लाने की तैयारी (5त्न और 18त्न)

नयी दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता) वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण का उद्देश्य आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग और एमएसएमई को अधिक राहत प्रदान करना है.

सीतारमण ने कहा कि इसके साथ ही इसके माध्यम से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को और सरलीकृत, पारदर्शी और विकासोन्मुखी करने का प्रयास है. उन्होंने जीएसटी परिषद द्वारा क्षतिपूर्ति उपकर, स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, तथा दरों के युक्तिकरण पर गठित मंत्रिसमूहों (जीओएम) को संबोधित करते हुये यह बात कही.

बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, गोवा के मुख्यमंत्री, बिहार के उपमुख्यमंत्री और तीनों जीओएम में शामिल राज्यों के वित्त मंत्री भी उपस्थित थे.केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को लागू करने के लिए आने वाले हफ्तों में राज्यों के साथ व्यापक सहमति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है.

दो दिन की इस बैठक में मंत्रियों के ये समूह जीएसटी दरों के सरलीकरण, बीमा पर जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर के साथ कर प्रणाली में अगली पीढ़ी के सुधारों पर चर्चा करेंगे. जीएसटी में सुधार लाने के लिए कर की दरों को घटा कर दो स्लैब में पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत करने की योजना है. कुछ अहितकर वस्तुओं पर केंद्र ने ऊंची (40 प्रतिशत) दर का भी प्रस्ताव किया है. अभी जीएसटी में पांच, 12,18 और 28 प्रतिशत की दर से कर लगता है. आवश्यक वस्तुएं शून्य या पांच प्रतिशत के दायरे में हैं. वित्त मंत्री ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि जीएसटी व्यवस्था में प्रस्तावित सुधारों से ग्राहकों के सामर्थ्य में वृद्धि होगी, उपभोग को बढ़ावा मिलेगा और आवश्यक एवं आकांक्षी वस्तुओं को व्यापक जनसंख्या तक अधिक पहुँच प्राप्त होगी.

> सीतारमण ने कहा कि इन सुधारों का एक बड़ा उद्देश्य कारोबार में आसानी लाना है. जीएसटी पंजीकरण व्यवस्था निर्बाध, तकनीक-संचालित और समयबद्ध होगी. कर दाखिले में त्रुटियों और विसंगतियों को कम करने के लिए पहले से भरे हुए रिटर्न फार्म की शुरुआत की जायेगी और रिफंड व्यवस्था तेज, स्वचालित होगी. वित्त मंत्री ने कहा कि इन सभी का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, व्यवसायों का समर्थन करना और जीवन और व्यापार करने में समग्र सुगमता को बढ़ाना है.

जियो के प्लान सबसे सस्ते : बीएनपी

सबसे लोकप्रिय 799 रु वाले प्लान को बंद करने का कंपनी ने खंडन किया

किफ़ायती और सुविधाजनक रिचार्ज प्लान अभी जारी रहेंगे

नई दिल्ली, 21 अगस्त, रिलायंस जियो के टैरिफ प्लान अन्य टेलीकॉम ऑपरेटरों की तुलना में अभी भी सबसे सस्ते बने हुए हैं. एनालिस्ट हाउस बीएनपी पारिबास ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि हालिया टैरिफ में किए गए बदलावों के बावजूद जियो के लोकप्रिय प्लान्स सस्ते होने के साथ अधिक डेटा भी उपलब्ध करा रहे हैं.

रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि टेलीकॉम सेक्टर की तीनों बड़ी कंपनियों जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के एंट्री लेवल प्लान्स अब 299 रु के हो गए है. पर रिलायंस जियो के ग्राहकों को एक जैसी कीमतों के बावजूद अधिक डेटा मिल रहा है. बीएनपी पारिबास ने एक टेबल जारी कर बताया है कि कीमतों के हिसाब से देखें तो 299 रु वाले 28 दिनों के प्लान में रिलायंस जियो 1.5 जीबी डेटा रोजाना उपलब्ध कराता है. वहीं एयरटेल और वोडाफोन आइडिया 299 रु में सिर्फ 1 जीबी डेटा प्रतिदिन ही ग्राहकों को इस्तेमाल के लिए देते हैं.

इसे दूसरी तरह से देखें तो जहां रिलायंस जियो 28 दिनों के 1.5 जीबी प्लान के लिए 299 रु ले रहा है वहीं एयरटेल और वोडाफोन आइडिया समान अवधि के 1.5 जीबी प्लान के लिए 50 रु ज्यादा यानी 349 रु चार्ज कर रहे हैं.

शेयर कारोबार की अवधि बढ़ाएगा सेबी

मुंबई, 21 अगस्त. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि नियामक शेयर वायदा कारोबार की अवधि एवं परिपक्वता में सुधार लाने पर विचार कर रहा है. उन्होंने कहा कि नकदी बाजार में कारोबार तेजी से बढ़ा है और तीन साल की अवधि में दैनिक कारोबार दोगुना हो गया है. पांडेय ने 'फिक्की कैपिटल मार्केट कॉन्फ्रेंस' 2025 में कहा, '' हम वायदा-विकल्प उत्पादों के परिपक्वता खाके और सुधार के तरीकों पर हितधारकों के साथ परामर्श करेंगे.

जुलाई में कृषि-ग्रामीण श्रमिकों की खुदरा मुद्रास्फीति घटी

नयी दिल्ली, 21 अगस्त. कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 0.77 प्रतिशत व 1.01 प्रतिशत रह गई जो जून में क्रमश: 1.42 प्रतिशत और 1.73 प्रतिशत थी. श्रम मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली.

श्रम मंत्रालय के बयान में कहा गया कि कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जुलाई 2025 में 1.23 अंक बढ़कर 135.31 हो गया जबकि ग्रामीण श्रमिकों का सूचकांक 1.30 अंक बढ़कर 135.66 पर पहुंच गया. कृषि श्रमिकों के लिए खाद्य सूचकांक में जुलाई 2025 में 1.94 अंक और ग्रामीण श्रमिकों के लिए 2.16 अंक की वृद्धि हुई. जुलाई 2025 में कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए सालाना आधार पर मुद्रास्फीति दर 0.77 और 1.01 प्रतिशत रही. खाद्य मुद्रास्फीति, कृषि श्रमिकों के लिए जुलाई 2025 में (-) 1.56 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिकों के लिए (-) 1.13 प्रतिशत रही.

समाचार विशेष

अखिलेश ने कुल्हाड़ी पर मारा पैर?

पूजा की बर्खास्तगी करेगी सपा का बुरा हाल, आएगा सियासी भूचाल!

लखनऊ. राजनीति में रणनीति सबसे अव्वल होती है. लेकिन समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश द्वारा पार्टी विधायक पूजा पाल को बर्खास्त करना उनकी रणनीतिक चूक की तरफ इशारा कर रहा है. सियासी गलियारों में चर्चा है कि सपा ने यह फैसला गलत समय पर ले लिया है.

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने पूजा पाल के एक बयान को अनुशासनहीनता ठहराकर उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया. समाजवादी पार्टी का यह कदम उसकी पुरानी छवि को फिर से लाइम लाइट में ला सकता है, और गर ऐसा होता है तो सवाल यह भी उठता है कि क्या अखिलेश यादव ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है?

प्रदेश में साल 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं. हाल ही में हुए उपचुनावों में सपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है. इसके बावजूद पूजा पाल जैसे चेहरे को बाहर का रास्ता दिखाना पार्टी को और कमजोर कर सकता है. पूजा पाल न सिर्फ महिला हैं, बल्कि पिछड़े वर्ग से भी आती हैं और माफिया विरोधी संघर्ष की प्रतीक हैं. सियासी जानकारों का मानना है कि पूजा पाल के निष्कासन से सपा की छवि को तीन स्तरों पर नुकसान पहुंच सकता है- पहला, महिला विरोधी छवि, दूसरा, गैर-यादव पिछड़े वर्गों की अनदेखी और तीसरा, अपराधियों और माफियाओं के प्रति नरम रवैया. ये तीनों मुद्दे विरोधी दलों खासकर भाजपा के लिए मजबूत राजनीतिक हथियार बन सकते हैं.

लोग यह भी मानते हैं कि सपा का इतिहास महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता की घटनाओं से भरा पड़ा है. गेस्ट हाउस कांड से लेकर अपने शासनकाल में महिलाओं पर हुए अत्याचारों तक, पार्टी की छवि हमेशा से महिला विरोधी रही है.

कमजोर होगा 'पीडीए' समीकरण!

अखिलेश यादव अक्सर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की बात करते हैं, लेकिन सपा का ध्यान हमेशा से यादव और मुस्लिम वोट बैंक पर रहा है. पूजा पाल पाल समाज से आती हैं, जो ओबीसी का एक अहम हिस्सा है और यादवों की तरह पशुपालक समाज से जुड़ा है. पूजा पाल को पार्टी से निकालने से न सिर्फ पाल समुदाय में, बल्कि अन्य गैर-यादव पिछड़े वर्गों में भी असंतोष पैदा होगा. भाजपा पहले से ही इन वर्गों में अपनी पैठ बढ़ा रही है. ऐसे में यह फ़ैसला सपा के पीडीए यानी 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' के समीकरण को कमजोर कर सकता है. पूजा पाल के निष्कासन से सपा पर लगे इस पुराने आरोप को फिर बल मिलता है कि यह पार्टी अपराधियों, माफियाओं और बाहुबलियों की शरणस्थली रही है.

फुल फॉर्म में तेज प्रताप, तेजस्वी को चेतावनी!

चुनावी मैदान में ठोक दी सियासी ताल

पटना. बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपने ताजा सोशल मीडिया पोस्ट से नया बवंडर खड़ा कर दिया है. उन्होंने न सिर्फ भाई तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर सवाल उठाए, बल्कि 'जयचंदों' के खिलाफ तीखा हमला बोला.

तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी 'टीम तेज प्रताप' के जरिए बिहार विधानसभा चुनाव में जोरदार दस्तक देने का ऐलान किया, जिससे सियासी समीकरण बदल सकते हैं. गौर करने वाली बात यह भी है कि तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जैसे तीखे बयानों का उपयोग किया है उसने बिहार की सियासत में हलचल मचा दी है. उन्होंने 'जयचंदों' पर साजिश का आरोप लगाया और राहुल गांधी-तेजस्वी यादव की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर सवाल उठाए.

'जयचंदों' की साजिश का आरोप

तेज प्रताप यादव ने अपने पोस्ट में आकाश यादव और कुछ 'जयचंदों' पर उनकी छवि खराब करने और राजनीतिक जीवन खत्म करने की साजिश का आरोप लगाया. तेज प्रताप यादव ने अपने पोस्ट में लिखा, आकाश यादव और कुछ जयचंदो के द्वारा हमारी फोटो को वायरल कर देना, हमारी राजनीति को खत्म करने की साजिश है. लेकिन इन जयचंदों को अभी पता नहीं कि हमारा नाम तेज प्रताप यादव है.

तेजस्वी बिहार में ड्राइविंग सीट पर

पटना. राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर राहुल गांधी के लिए ड्राइविंग की. सासाराम में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में आयोजित रैली और यात्रा के दौरान तेजस्वी ने खुली थार गाड़ी चलाई, जिसमें राहुल गांधी पीछे खड़े थे.

उनके साथ ही विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी भी थे. इससे पहले पिछले साल के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी जब प्रचार के लिए पहुंचे थे तब भी तेजस्वी ने उनके लिए गाड़ी चलाई. इस बार उनके ड्राइविंग सीट पर होने का प्रचार यह हो रहा है कि बिहार में विपक्ष की गाड़ी की ड्राइविंग सीट भी तेजस्वी के पास ही है. हालांकि अभी तक इसकी घोषणा नहीं की गई है.

गौरतलब है कि राष्ट्रीय जनता दल ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया है. सहयोगी पार्टी वीआईपी के नेता मुकेश सहनी ने भी ऐलान किया है कि तेजस्वी मुख्यमंत्री बनेंगे और वे खुद उप मुख्यमंत्री बनेंगे.

विशेष | **मिल गया सबसे बड़े सवाल का जवाब, सामने आया चौंकाने वाला नाम!**

कौन बनेगा बीजेपी का अगला बॉस?

नई दिल्ली. भाजपा का अगला अध्यक्ष कौन होगा? अब तक इस सवाल का जवाब किसी के पास नहीं है. जब भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से इस सवाल का जवाब पूछा जाता है, तो वे कहते हैं कि अध्यक्ष भाजपा से ही होगा. फिलहाल नाम नहीं बताया जा सकता. लेकिन अब चर्चा है कि भाजपा का अगला अध्यक्ष 'उत्तर' से हो सकता है. अब सवाल उठता है कि अध्यक्ष उत्तर से ही क्यों होगा, तो आइए इसके पीछे की राजनीति जानते हैं.

दरअसल, रविवार को भाजपा ने दक्षिण (तमिलनाडु) के एक बड़े ओबीसी नेता सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है. सहयोगी दलों ने भी राधाकृष्णन का समर्थन किया है. राधाकृष्णन वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं. अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा? इस सवाल का जवाब सीपी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी में छिपा है. भाजपा के नए अध्यक्ष में क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान रखा जाएगा. ठीक वैसे ही जैसे पार्टी ने सीपी राधाकृष्णन को चुनकर क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान रखा है. वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा उत्तर भारत से हैं. अब चर्चा है कि नया अध्यक्ष भी उत्तर भारत से ही होगा. इसे लेकर कई तरह के कयास भी लगाए जा रहे हैं. लेकिन भाजपा अपने अप्रत्याशित फैसलों के लिए जानी जाती है. अंत में कुछ भी हो सकता है.

चर्चा में नाम - नए अध्यक्ष के लिए जिन नामों की सबसे ज्यादा चर्चा है, उनमें मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव, विनोद कुमार सोनकर, मनोज सिन्हा और केशव प्रसाद मौर्य प्रमुख हैं. यह सभी उत्तर भारत से आते हैं.

भाजपा ने साध लीं तीन दिशाएं

दरअसल, अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू पूर्वी भारत से हैं. उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन दक्षिण भारत से आते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम भारत से आते हैं, और संसद में उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं. ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा का अगला अध्यक्ष उत्तर भारत से हो सकता है. भाजपा के नए अध्यक्ष के चयन में क्षेत्र के साथ-साथ जातीय समीकरणों को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं. अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समुदाय से आती हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओबीसी हैं और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन भी ओबीसी समुदाय से आते हैं.